ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

लगीं टूटने सांस अब, शोर मचा सब ओर'

बिगड़ गया पर्यावरण , उठने लगे सवाल।
मानव के निज स्वार्थ से, प्रकृति हुई बेहाल।।-1

जब से जंगल कट रहे , ऋतुएँ हैं बेजान।
बीमारी, सूखा सदा , बुला रहा इंसान।।-2

दूषित पर्यावरण का , नर खुद जिम्मेदार।
बुला रहा बीमारियाँ , मानवता बेजार।।-3

छेद हुआ ओजोन में, बढ़ा सूर्य का ताप।
जीव जंतु भी मरने लगे, लू बनी अभिशाप।।-4

कर जंगल बरबाद सब, बनते आज मकान।
मार पड़ेगी प्रकृति पर, आएंगे तूफ़ान ।।-5

फोड़ पटाखे चकरियाँ, मचा रहें हैं शोर ।
करते ये ध्वनि प्रदूषण, कान करें कमजोर।।-6

सुधरे "मंजू " हम नहीं , बुरी बने तस्वीर ।
नहीं रहेगा आशियाँ , रोए खुद तकदीर ।।-7

जल वन है भू - संपदा , नहीं करो बम - वार ।
तापक्रम भू का बढ़े , प्राणों का संहार ।।-8

सूख नदी, पोखर रहे , जल - संकट घनघोर।
लगीं टूटने सांस अब , शोर मचा सब ओर।।-9

चिड़ियाँ गायब हो रहीं , फैले टावर - जाल।
बीमारी भी बढ़ रही , बुला रहा नर, काल।।-10

करना पर्यावरण की , रक्षा में उपकार।
खिड़की आँगन छत धरा, पौध उगा परिवार।।-11

काट-काट के वृक्ष सब, करी धरा वीरान।
होगी ग्लोबल वार्मिंग, होते क्यों हैरान।।-12

डॉ मंजु गुप्ता

जन्मतिथि: 21 /12 /1953
जन्मस्थान: ऋषिकेश , उत्तराखंड
शिक्षा : एम.ए (राजनीति शास्त्र) , बी.एड.
संप्रति : सेवा निवृत्त हिंदी शिक्षिका ।
कृतियाँ : प्रांतपर्वपयोधि (काव्य) , दीपक (नैतिक कहानियाँ), सृष्टि(खंडकाव्य), संगम (काव्य), भारत महान (बालगीत), सार (निबंध), परिवर्तन (सामाजिक कहानियाँ), 923 दोहों में मनुआ हुआ कबीर , पारसमणि (आलेख -संग्रह)
प्रकाशन : देश - विदेश की विभिन्न समाचारपत्रों , पत्रिकाओं साहित्य अकादमी कृतियों में रचनाएँ प्रकाशित ।
प्रसारण: दूरदर्शन मुंबई एवं आकाशवाणी मुंबई से रचनाओं का प्रसारण ।
नेपाल आकाशवाणी द्वारा साक्षात्कार ।
सम्मान :
भागलपुर विश्वविद्यालय बिहार से विद्या वाचस्पति से सम्मानित। देश की तमाम सुप्रसिद्ध साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित ।

19 द्वारका, प्लॉट - 31, सेक्टर ,9 A , वाशी , नवी मुंबई - 400703
फोन: 808042053 3,
ई- मेल writermanju @gmail.com